सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 304 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 15 दिसम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

हम धर्म और चिंतन के बिना भी रह सकते है लेकिन मानवीयता के बिना हम नही रह सकते।

-दलाई लामा

विधानसभा के बाद अब निकाय... 8 | उपचुनाव में जीत से उत्साहित... 3 | हवाई अड्डों पर बढ़ती यात्रियों... 7

नीतीश के 'जो पिएगा, वो मरेगा ही' बयान पर पटना से दिल्ली तक सियासत गर्म

शराब कांड में अब तक 40 लोगों की जा चुकी है जान, विपक्ष हमलावर

» भाजपा ने मांगा सीएम का इस्तीफा, कहा- शराबबंदी में नाकाम रही सरकार

» नीतीश ने विपक्ष को दी नसीहत, आप भी शराब के खिलाफ चलाइए अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के शराब कांड की गूंज पटना से दिल्ली तक सुनाई दे रही है। विधानसभा से लेकर संसद तक विपक्ष सरकार पर हमलावर है। शराबबंदी को लेकर विपक्ष सरकार से सवाल कर रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी हमलों पर पलटवार करते हुए कहा है कि जो पीएगा वो मरेगा। बिहार में शराब के सेवन पर रोक है। लोगों को समझाने की जरूरत है। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि क्या बीजेपी के राज्यों में शराब नहीं बिक रही है? जहरीली शराब से गुजरात में लोगों की जान नहीं गई है? उन्होंने विपक्ष से लोगों को शराब पीने से रोकने के लिए चल रहे अभियान में सहभागिता निभाने को कहा है।

गौरतलब है कि जहरीली शराब से मौतों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तो बुधवार को भी विधानसभा में शीत सत्र के दौरान जमकर कहासुनी हुई थी, लेकिन गुरुवार को यह और रोचक हो गया। मुख्यमंत्री ने सीधे कह दिया कि जो पिएगा, वो मरेगा। वहीं, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे और बगावती तेवर के कारण मंत्रीपद गंवाने वाले सुधाकर सिंह ने इन मौतों पर सवाल किया। गुरुवार को राजद के भाई वीरेंद्र जहां जहरीली शराब से मौतों के लिए भाजपा पर जिम्मेदार ठहराया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहरीली शराब से मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो गड़बड़ कर रहा, उसे पकड़िए। उसे अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करिए। हम तो बापू और बिहार की महिलाओं की इच्छा से शराबबंदी लागू किए हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि विपक्ष में बैठे जो लोग बिहार में इन मौतों पर पूछ रहे, उनसे पूछिए कि जहां-जहां आपका शासन है, वहां कितने लोग जहरीली शराब से मर रहे हैं। बिहार में सबकी सहमति से शराबबंदी लागू हुआ है। आप भी शराब के खिलाफ अभियान चलाइए और जनता को इससे दूरी बनाने के लिए जागरुक कीजिए।

विपक्ष के बोल, अब तक 40...आगे कितनी और

बिहार में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने सरकार पर करारा प्रहार किया है। भाजपा विधायकों ने सदन में हंगामा करते हुए सरकार पर सवाल किया है कि अब तक जहरीली शराब से 40 लोगों की जान जा चुकी है... आगे कितने और लोगों की जान सरकार लेगी। विपक्ष का आरोप है कि शराबबंदी के बावजूद शराब की तस्करी बिहार में हो रही है। सरकार की नाकामी की वजह से लोग अपनी गवां रहे हैं। मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

आरजेडी विधायक सुधाकर सिंह ने फिर दिखाए बगावती तेवर

जहां सदन में विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी पर सरकार के पक्ष में सदन चलाने और विपक्षी प्रतिनिधियों की बातें दरकिनार करने का आरोप लगा वहीं, सत्तापक्ष के ही विधायक सुधाकर सिंह ने अपनी ही सरकार की बोलती बंद कर दी। आरजेडी विधायक ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को सब पता है और सत्ता के संरक्षण में ही नरसंहार हुआ है। बता दें, कि पूर्व में भी सुधाकर सिंह अपनी ही सरकार के खिलाफ बगावती तेवर अपनाते रहे हैं। जिसकी वजह से उन्हें मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा।

मुख्तार और भीम सिंह को दस-दस साल की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व विधायक बाहुबली मुख्तार अंसारी और उनके साथी भाम सिंह गैंगस्टर मामले में दोषी पाए गए। इसके साथ ही गाजीपुर के एमपी, एमएलए कोर्ट ने दोनों को दस-दस साल की सजा सुनाई है। साथ ही मुख्तार अंसारी पर पांच लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

अपर सत्र न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट दुर्गेश की अदालत में 21 वर्ष पुराने बहुचर्चित मुहम्मदाबाद कोतवाली के उसरी चट्टी हत्याकांड में अभियोजन की तरफ से मंगलवार को गवाह इजराइल अंसारी का बयान दर्ज हुआ। आरोपियों के अधिवक्ता द्वारा जिरह भी अंकित किया गया। 20 दिसंबर को अगली तिथि नियत की गई है। साथ ही मुख्तार अंसारी का बयान कराने के लिए न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया कि वादी मुकदमा मुख्तार अंसारी को व्यक्तिगत रूप से 20 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित करें। आदेश की एक प्रति जिला कारागार बांदा को भेजने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि नियत तिथि पर किसी प्रकार का स्थगन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एमपीएमएलए कोर्ट ने पूर्व विधायक पर पांच लाख का जुर्माना भी लगाया

विगत 15 जुलाई 2001 को मुख्तार अंसारी अपने निर्वाचन क्षेत्र मऊ जा रहे थे। दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब उसरी चट्टी पर उनके काफिले पर पहले से तैयार हमलावरों ने स्वचलित हथियारों से फायरिंग की। इसमें मुख्तार अंसारी के सरकारी गनर रामचंदर उर्फ प्रदीप की मौके पर मौत हो गई थी। वहीं रुस्तम उर्फ बाबू घायल हुआ था। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी के साथ चलने वाले हमराहियों को भी चोट आई थीं। इस मामले में मुख्तार अंसारी ने बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह को नामजद करते अन्य 15 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था।

किसानों को ब्याज तो दूर मूलधन तक नहीं : अखिलेश

» महंगाई और भ्रष्टाचार ने लोगों के जीवन को बना दिया है कठिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, महंगाई और भ्रष्टाचार ने लोगों का जीवन कठित हो गया है। किसान सबसे ज्यादा मुश्किल में हैं। कर्ज के दबाव में किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हैं। भाजपा सरकार की नीतियां किसान विरोधी और कुछ पूंजीपतियों और बड़े उद्योग घरानों के समर्थन में हैं। गरीब, गांव की भाजपा राज में हर तरह से उपेक्षा की जा रही है।

सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि नए सत्र में गन्ने की पेराई शुरू हो गई है, लेकिन अभी तक भाजपा सरकार ने गन्ने का मूल्य तय नहीं किया है। गन्ना किसानों को अभी पिछले सत्र का भी बकाया भुगतान नहीं हुआ है। कायदे से तो किसान को गन्ना मूल्य के बकाया पर ब्याज भी मिलना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार मूलधन ही नहीं दे पा रही है। जबकि भाजपा सरकार ने 14 दिन के बाद किसानों के गन्ना मूल्य पर ब्याज देने का वादा किया था। मिल मालिकों के दबाव में भाजपा सरकार किसानों से धोखा दे रही है।

अखिलेश ने कहा कि किसानों से धान की खरीद में भी सरकारी अफसरशाही खेल कर रही है। किसान लुट रहा है और बिचौलिए कमाई कर रहे हैं। किसान को फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी नहीं मिल रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार ने एमएसपी पर अपनी नीति अब तक स्पष्ट नहीं की है जबकि भाजपा सरकार ने किसानों के पिछले बड़े आंदोलन के दौरान एमएसपी देने का आश्वासन दिया था। भाजपा सरकार ने गेंहू और रबी की फसल की बुवाई के लिए डीएपी- यूरिया खाद के अलावा और अन्य कीट नाशक रसायनों की व्यवस्था करने में घोर लापरवाही बरत रही है। किसान को भाजपा सरकार बनने के दिन से ही धोखे पर धोखा मिल रहा है। उसकी कर्जमाफी नहीं हुई। एमएसपी नहीं मिली। सरकारी खरीद केंद्रों में किसान का नहीं बिचौलियों और बड़ी कंपनियों के कारिंदों का माल बिक रहा है। किसान की फसल तो औने.पौने दाम पर खरीद ली जा रही है।

राहुल बोले-नारी का विरोधी है आरएसएस, संगठन में नहीं एक भी महिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» देश में नफरत फैलाने का काम करते हैं भाजपा और संघ

जयपुर। भारत जोड़ो यात्रा की अगुवाई कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला बोला है। राहुल ने कहा कि आरएसएस में एक भी महिला नहीं है क्योंकि वे महिलाओं को दबाते हैं और उन्हें अपने संगठन में नहीं आने देते। राहुल ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी योजनाएं डर फैलाने वाली हैं। उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' इसी डर एवं नफरत के खिलाफ खड़ा होना है। राहुल ने ये सभी बातें राजस्थान के दौसा जिले के लालसोट के बगड़ी गांव में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने संघ पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारी जो संस्कृति है जयसियाराम की, उसको भी ये बदलने की कोशिश कर रहे हैं। ये अपने संगठन में एक महिला को नहीं आने देते। इनके जो प्रचारक होते हैं, उनमें एक महिला नहीं मिलेगी आपको। ये महिलाओं को दबाते हैं। गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर संस्कृति बदलने और जय 'सियाराम' के बजाय 'जय श्री राम' कहकर 'मां सीता' का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं आरएसएस-भाजपा वालों से पूछना चाहता हूं आप जय श्रीराम बोलते हो, मगर आप जय सियाराम क्यों नहीं बोलते। आपने सीता मां को इस नारे से क्यों निकाल दिया है। आप सीता मां का अपमान क्यों करते हो। आप हिन्दुस्तान की नारी का अपमान क्यों करते हो। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा की डर फैलाने की योजनाएं हैं। नोटबंदी का लक्ष्य हिन्दुस्तान की जनता के दिल में डर फैलाने था। गलत जीएसटी छोटे व्यापारियों को डराने की योजना है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज जो बेरोजगारी है उससे डर बढ़ता जा रहा है और इस डर का फायदा सिर्फ भाजपा और आरएसएस को होता है क्योंकि वे इस डर को नफरत में बदलते हैं। वे देश को बांटने का काम करते हैं। इसलिये भारत जोड़ो यात्रा का सबसे जरूरी लक्ष्य देश में जो डर और नफरत फैलाई जा रही है उनके खिलाफ खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के 100 सबसे अमीर लोगों के पास इतना धन है जितना हिन्दुस्तान के 55 करोड़ लोगों के हाथों में है। हिन्दुस्तान का आधा धन सिर्फ 100 लोगों के पास है और इन्हीं 100 लोगों के लिए हिन्दुस्तान चलाया जा रहा है। राहुल ने कहा कि चार-पांच ऐसे लोग हैं, जिनको आज आप हिंदुस्तान के महाराजा कह सकते हैं। पूरी की पूरी सरकार, पूरा मीडिया, सारे नौकरशाह, इन्हीं के इशारे पर काम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इन्हीं के इशारे से काम करते हैं।

सपा बन रही है चुनाव में देरी की वजह : केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निकाय चुनाव में हो रही देरी के लिए समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि सरकार और भाजपा तो समय से चुनाव कराना चाहते हैं, पर सपा नहीं चाहती कि समय पर चुनाव हों। सपा अपनी पार्टी के एक बड़े नेता के भाई को आगे करके चुनाव में अड़चन पैदा करा रही है। उन्होंने सपा को पिछड़ा और दलित विरोधी बताते हुए कहा कि वंचित समाज के बढ़ते प्रतिनिधित्व से सपा घबराकर निकाय चुनाव को टलवाने का षड़यंत्र कर रही है।

उप मुख्यमंत्री ने जारी बयान में कहा कि सपा को आशंका है कि अगर इस वक्त चुनाव हुए, तो शहरी निकायों में उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में सपा अपने पार्टी के एक बड़े नेता के माध्यम से अड़ंगा डालने की कोशिश कर रही है। भाजपा संगठन और सरकार सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप समय पर निकाय चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हर किसी को अधिकार है कि वह अपनी बात न्यायालय के समक्ष रखे लेकिन मंशा साफ होनी चाहिए। चूंकि अब मामला न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है, तो न्यायालय का जो भी आदेश होगा, सरकार उसका पालन करेगी।

खेलो-कूदो, इम्यूनिटी बढ़ाओ सब बर्दाश्त कर लोगे : महासेठ

» जहरीली शराब मामले पर बिहार सरकार के मंत्री का बेतुका बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छपरा। बिहार के छपरा में जहरीली शराब का कहर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब तक इससे 30 लोगों की जान जा चुकी है। अभी भी शहर के अस्पतालों में 15 से अधिक मरीज भर्ती हैं, जिन का इलाज जारी है। देर रात 10 नए मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौत के बाद जिला प्रशासन ने मामले पर चुप्पी साध रखी है। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में शराब बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच बिहार सरकार में मंत्री समीर महासेठ ने अजीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि खेलो-कूदो इम्यूनिटी बढ़ाओ तो सब बर्दाश्त कर लोगे। बिहार में शराबबंदी है, इसलिए जो शराब आ रही वो जहरीली है, इसे नहीं पीएं।

हाजीपुर में मंत्री समीर महासेठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इससे बचना है तो पावर बढ़ाओ बिहार में एक नंबर की दारू नहीं आ रही। ऐसे में लोग इसे नहीं पीएं। अगर लोग इसका सेवन करते हैं तो जरूरी है कि वो खूब दौड़ें, खूब खेलें और शरीर बनाएं। समीर महासेठ ने जहरीली शराब से हो रही मौतों पर रिएक्ट करते हुए कहा कि बिहार में मिलने वाली शराब जहर है। उन्होंने लोगों से इसे नहीं पीने की अपील की। इसको पीने और मरने से बचना है तो इम्युनिटी बढ़ाओ। उन्होंने कहा कि लोग खेलें-कूदें और इसी से पावर बढ़ाओ, सब बर्दाश्त कर लोगे। उधर, आरजेडी विधायक रामबली चंद्रवंशी ने जहरीली शराब से मौतों पर चौंकाने वाला बयान दिया। कहा कि शराब से लोग मर रहे हैं, दूसरी बीमारी और हादसों से भी मौतें हो रही हैं। मरना-जीना कोई बड़ी बात नहीं है।

कांग्रेस के मुस्लिम विधायक का ओवैसी पर बड़ा हमला

» इमरान खेड़ावाला ने कहा-उलेमाओं के समझाने पर भी नहीं माने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में मुस्लिमों की आबादी 9.67 प्रतिशत है। 182 सीटों वाली विधानसभा में 2017 विधानसभा चुनावों में तीन मुस्लिम कैंडिडेट जीते थे, लेकिन 2022 में सिर्फ एक को ही जीत मिली। जबकि दो सिटिंग रूल ही अपनी सीट नहीं बचा पाए।

विधायक चुने गए इकलौते मुस्लिम इमरान खेड़ावाला कांग्रेस से हैं। कांग्रेस ने 6 मुस्लिमों को टिकट दिए थे, इनमें से 5 हार गए।

इमरान खेड़ावाला ने इसके लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप को कसूरवार बताया है। उनका कहना है कि ओवैसी को तो देश के बड़े उलेमाओं ने भी समझाया कि कुछ सीटें आप छोड़ दो, लेकिन वे नहीं माने।

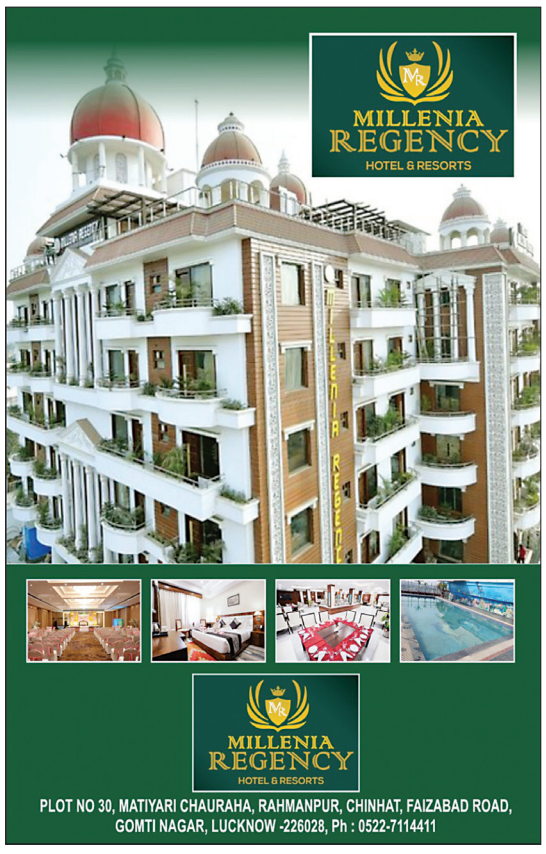

उपचुनाव में जीत से उत्साहित रालोद की सियासी बिसात पर सधी हुई चाल

» पार्टी प्रमुख जयंत चौधरी ने बनाए 13 जिलाध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी उपचुनाव के परिणामों के बाद अब प्रदेश में राजनीति के बदलाव की चर्चाएं तेज होने लगी हैं। हालांकि, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। वैसे इस बार खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बाद राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के हौंसले बुलंद हैं और वे फिर से प्रदेश में अपनी पार्टी आरएलडी को मजबूत बनाने को सियासी बिसात पर एक के बाद एक सधी हुई चाल चल रहे हैं।

हालांकि, खतौली विधानसभा में मिली जीत रालोद, सपा और चंद्रशेखर की भीम आर्मी के बीच हुए गठबंधन का परिणाम मानी जा रही है। लेकिन अब जयंत इस जीत के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आगे बढ़कर पूरे प्रदेश में रालोद को मजबूत करना चाहते हैं। जयंत मजबूत रणनीति के साथ प्रदेश में आगे बढ़ना चाह रहे हैं। एक तो सपा से गठबंधन उसके अलावा अपने पुराने जाट और मुस्लिस समीकरण के सहारे जयंत प्रदेश में अपने पंख फैलाना चाह रहे हैं। अपनी इसी मंशा के चलते रालोद ने 13 जिलों में पार्टी के नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। सबसे खास बात ये है कि सभी जिलों में जातीय संतुलन को साधा गया है। जिले में जिस जाति का वर्चस्व है उसी बिरादरी का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे साफ है कि जयंत चौधरी एक सोची-समझी रणनीति के साथ राजनीति की पिच पर आगे बढ़ रहे हैं। अब देखना यह है कि जयंत चौधरी यह रणनीति आने वाले चुनावों में कितनी कारगर होती है।

पुराने वोट बैंक को साधने में जुटे जयंत

राजनीतिक समीकरण के साथ-साथ जयंत सामाजिक समीकरण भी साधने में लगे हैं। कुल मिलाकर जयंत अब अपने बाबा चौधरी चरण सिंह और पिता चौधरी अजीत सिंह के कदमों पर चल रहे हैं। जयंत जानते हैं कि उनके बाबा और पिता के जमाने से किसान और जाट वोटर उनके साथ खड़े हैं। चौधरी चरण सिंह ने पश्चिमी यूपी में किसान, जाट और मुस्लिम वोटरों को अपने साथ मिलाया था और उन्हें इसी समीकरण का लाभ भी मिला था। अब जयंत भी इसी समीकरण को साध कर आगे बढ़ना चाह रहे हैं। वर्ष 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों ने इस समीकरण को ध्वस्त कर दिया। मुस्लिम और जाट अलग-अलग खेलों में बैठकर लग जाने के कारण इस इलाके में भाजपा की बैटरी और तमाम सीटों पर जाट गुर्जर और अन्य समुदायों को छोड़कर भाजपा में एक जीतने वाला समीकरण तैयार किया। अब खतौली विधानसभा में मिली जीत के बाद एक बार फिर इन वोटरों के रालोद में लौटने के संकेत हैं। इसी उम्मीद के सहारे जयंत भी खुद और मजबूत करने उतरे हैं।

साइकिल के साथ गठबंधन मजबूत रखने की कवायद

रालोद अभी समाजवादी पार्टी के साथ प्रदेश में गठबंधन में है। ऐसे में पार्टी को सपा के वोटरों का भी साथ मिल रहा है। दोनों ही पार्टियों का अपना-अपना वोट बैंक है। इसलिए जयंत ने जो जिला अध्यक्ष बनाए हैं उनमें भी सपा के वर्चस्व वाले जिले शामिल हैं। मैनपुरी जिले में विद्याराम यादव को नियुक्त कर राष्ट्रीय लोक दल ने अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास किया है। इसके अलावा बदायूं में भी राष्ट्रीय लोक दल ने जिला अध्यक्ष की तैनाती कर दी है। रामपुर में शाहिद हुसैन को तैनात कर बड़ा संकेत दिया है। इन सभी जिलों में जयंत ने अपना समाजिक और राजनीतिक समीकरण भी साधा है। मैनपुरी में सपा को और खतौली में रालोद की मिली सफलता भी दोनों के गठबंधन का ही परिणाम है। ऐसे में दोनों पार्टियों का क्षेत्र में प्रभाव बढ़ने से दोनों अपने वोट बैंक को एक- दूसरे के उम्मीदवार को ट्रांसफर करा सकते हैं।

जिलों में जातीय समीकरण पर पैनी नजर

रालोद के वोट बैंक में मुस्लिम समुदाय का भी एक बड़ा हिस्सा शामिल है। ऐसे में जयंत ने इन नए जिलाध्यक्षों का ऐलान करते समय मुस्लिम समुदाय का भी पूरा ध्यान रखा और सबसे अधिक कुल चार जिलों में मुस्लिम नेता के हाथ में जिले की जिम्मेदारी सौंपी। जिन जिलों में मुस्लिमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनमें सहारनपुर में राव केशर सलीम, बरेली में महबूब अली, रामपुर में शाहिद हुसैन और पीलीभीत में आरिफ हजरत खान को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इन जिलों के अलावा पश्चिमी यूपी में मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की जा रही है। आबादी के हिसाब से देखें तो करीब 41.95 फीसदी मुसलमानों की आबादी है। वहीं, रामपुर जिले में करीब 50.57 फीसदी, बरेली में 34.54 फीसदी और पीलीभीत में 28.65 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। इस कारण इस वर्ग का वोट साधने में कामयाबी मिलेगी। सिर्फ मुस्लिम ही नहीं जयंत ने और जिलों में भी जातीय समीकरण को साधने का प्रयास किया है। जाट और मुस्लिम बाहुल्य बागपत में गुर्जर समाज से आने वाले रामपाल धामा को जिले की कमान सौंपी गई है। भाजपा ने इस गढ़ पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। इसके अलावा त्यागी समाज को साधने के लिए गाजियाबाद में अमित त्यागी को नियुक्त किया गया। आगर में दलित समाज को साधने के लिए महेश कुमार को अध्यक्ष बनाया गया। अमरोहा की जिम्मेदारी मानवीर सिंह को दी गई। फिरोजाबाद में भी जाट वोट बैंक को साधने के लिए मास्टर देशराज सिंह को पार्टी की ओर से अध्यक्ष बना दिया गया है। इसके अलावा लखीमपुर खीरी में ब्राह्मण वोट बैंक के प्रभाव को देखते हुए रालोद ने शिव प्रसाद द्विवेदी को कमान सौंपी है। सीतापुर में शरद कुमार को कमान सौंपी गई है। वे ओबीसी वोट बैंक को साधने का प्रयास करेंगे।

हार से गुजरात कांग्रेस में फूटी 'अंतर्कलह' की चिंगारी

» पूर्व विधायक ने प्रदेश अध्यक्ष पर फोड़ा हार का ठीकरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजनीति में हाशिये पर चल रही कांग्रेस के लिए अंतर्कलह भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रही है। राजस्थान में जारी अंतर्कलह अभी भी कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस बीच गुजरात विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब इस राज्य में भी पार्टी के अंदर बगावत के सुर उठने से शुरू हो गए हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए मुसीबतें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

कांग्रेस की गुजरात इकाई के नेता और पूर्व विधायक रघु देसाई ने विधानसभा चुनाव हारने का ठीकरा प्रदेशाध्यक्ष जगदीश ठाकोर पर फोड़ा है। उन्होंने पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व से मांग की है कि ठाकोर को निलंबित कर दिया जाए। देसाई ने आरोप लगाया कि ठाकोर के 'करीबी सहयोगियों' ने चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम किया। सीधे प्रदेश अध्यक्ष पर इतना बड़ा इल्जाम लगाना कहीं न कहीं कांग्रेस के लिए एक बड़े खतरे की घंटी हो सकती है। क्योंकि इससे पहले भी गुजरात कांग्रेस में बगावत के सुर उठ चुके हैं। चुनाव से पहले भी कांग्रेस में इसी तरह की आवाजें उठी थीं, जिसका खामियाजा पार्टी को प्रदेश में इतनी बुरी शिकस्त झेल कर चुकाना पड़ा। अब परिणाम आने के बाद फिर से बगावत की आवाजें आनी और अंतर्कलह की शुरूआत पार्टी के लिए आने वाले समय में बेशक और भी मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को लिखी चिट्ठी

पाटन जिले की राधनपुर सीट से चुनाव हारने के बाद देसाई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखकर अपनी मांग का खुलासा किया। उन्होंने यह पत्र मंगलवार को मीडिया के साथ साझा किया। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि ठाकोर के सहयोगियों ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ काम किया है और वे ही राधनपुर में पार्टी की हार के लिए जिम्मेदार हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति (जीपीसीसी) के अध्यक्ष ने अपने देसाई की ओर से लगाए गए आरोपों का कोई सीधा जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने यह कहा कि वे समझ सकते हैं कि चुनाव हारने के बाद किसी को कैसा लगता है। गौरतलब है कि भाजपा ने इस बार राधनपुर से लविंगजी ठाकोर को उतारा था। देसाई लगातार यह दावा कर रहे थे कि वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत लेंगे। हालांकि, भाजपा प्रत्याशी ने उन्हें हरा दिया। इसी के साथ गुजरात चुनाव में कांग्रेस महज 17 सीटों पर सिमट गई, जो कि राज्य में उसका सीटों के लिहाज से सबसे खराब प्रदर्शन है।

कमजोर रणनीति भी बनी हार की एक बड़ी वजह

पूर्व विधायक ने प्रदेश में हार की वजह बेशक प्रदेश अध्यक्ष पर फोड़ दिया,अब अगर इस विधायक की बात पर गौर किया जाए तो क्या वाकई में चुनाव में पार्टी की इतनी बड़ी हार की वजह सिर्फ एक प्रदेश अध्यक्ष है। तो ऐसा नहीं है। पार्टी आलकमान की ओर से भी इस बार कई ऐसी गलतियां की गईं, जो चुनाव में इतनी बड़ी हार की वजह बनीं। दरअसल, इस बार के चुनाव में पार्टी ने इस बार किसी बड़े नेता की बजाय लोकल लीडरशिप पर ज्यादा भरोसा जताया था और उन्हें ही ज्यादा जिम्मेदारी भी दी थी। कहीं न कहीं पार्टी में दिख रही इस अंतर्कलह को भी हाईकमान द्वारा ही जन्म दिया गया। चुनाव से पहले पार्टी की ओर से प्रदेश में सात कार्यकारी अध्यक्षों को नियुक्त किया गया। जिनमें से कुछ को तो चुनाव से कुछ महीने पहले ही ये जिम्मेदारी दी गई। इन सात अध्यक्षों के बनने से पार्टी के अंदर ही अपने-अपने क्षेत्र को लेकर प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई और वो एक-दूसरे पर हावी होने लगे। इनमें कुछ अध्यक्ष तो ऐसे जिन्हें न तो संगठन का कोई अनुभव था। एक विधायक तो ऐसे थे जो पहली बार ही विधायक थे। ऐसे में आलाकमान की इस रणनीति से भी पार्टी के लोकल वरिष्ठ नेता नाखुश नजर आए। इसके अलावा भरत सोलंकनी, सिद्धार्थ पटेल, अर्जुन मोधवाडिया जैसे नेताओं की गुजरात में एक पैठ जरूर है, लेकिन उन्होंने एक टीम की तरह काम नहीं किया, जिसका नतीजा ये हुआ कि पार्टी को राज्य में चारों खाने चित खाना पड़ी।

कांग्रेस के लिए गंभीर 'बीमारी' बन गई कलह

कांग्रेस के लिए गुजरात में आपसी कलह एक बड़ी खतरे की घंटी है। क्योंकि कांग्रेस इससे पहले भी कई राज्यों में इस बीमारी से जूझ चुकी है। और वहां उसका अंजाम भी काफी भी काफी कष्टप्रद रहा। इससे पहले पंजाब में भी चुनाव के पहले पार्टी में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच आपसी कलह सामने आई, जिसके बाद कैप्टन ने पार्टी छोड़कर नई पार्टी बनाई। इसका नतीजा रहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को मुंह की खानी पड़ी और सरकार चली गई। इससे पहले मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार आपसी कलह की वजह से ही गई थी। जहां ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नाराद होकर पार्टी छोड़ भाजपा ज्वाइन की और उनके जाते ही राज्य में बनी बनाई सरकार गिर गई। वर्तमान समय में भी राजस्थान और छत्तीसगढ़ जिन दो राज्यों में कांग्रेस अपने दम पर सत्ता में है, वहां भी लगातार अंतर्कलह की खबरें सामने आती रहती हैं। जिसमें राजस्थान की अंतर्कलह तो देश की राजनीति का हॉट मुद्दा बनी हुई है। वहीं धीरे-धीरे छत्तीसगढ़ में भी ऐसी सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। हालांकि, अभी दोनों राज्यों में पार्टी की सरकार बची हुई है। ऐसे में गुजरात में जन्म लेती अंतर्कलह पार्टी के लिए एक नया सिरदर्द बन सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विपक्ष के लिए उम्मीदों की किरण

बीते दिनों में बहुत सारे चुनाव नतीजे आए हैं। एमसीडी चुनाव के नतीजे, गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजे और देश भर की छह विधानसभा सीटों और मैनपुरी लोक सभा सीट का रिजल्ट। ये सारे ही केंद्र में सत्ताधारी बीजेपी और विपक्षी खेमे के राजनीतिक दलों के लिए तमाम सबक से भरे हुए हैं।

गुजरात विधानसभा को छोड़ दें तो ज्यादातर चुनाव नतीजे बीजेपी के खिलाफ हैं और उनमें मैनपुरी लोकसभा सहित 6 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव भी शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में तो बीजेपी की शिकस्त हुई ही है, मैनपुरी लोकसभा सीट सहित 4 विधानसभा सीटों पर बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा है। हाल के उपचुनावों में बीजेपी सिर्फ दो सीटें जीतने में सफल हो पाई है- उत्तर प्रदेश में रामपुर और बिहार में कुढ़नी विधानसभा सीट। वहीं कांग्रेस की बात करें तो उसके लिए हिमाचल प्रदेश में सत्ता में वापसी तो जोश बढ़ाने वाली है।

वहीं आम आदमी पार्टी की बात करें तो एमसीडी चुनाव में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। हालांकि गुजरात में अरविंद केजरीवाल ने अपनी पूरी जी जीन लगा दी लेकिन 5 सीटों पर ही खाता खोल पाई। गुजरात चुनाव के नतीजों से ये तो साफ है कि 2024 में लड़ाई मोदी बनाम केजरीवाल तो होने से रही। लेकिन अगर विपक्ष चाह ले तो ये तस्वीर बदल भी सकती है। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद जब ममता बनर्जी विपक्ष को एकजुट करने के लिए प्रयास करने लगीं तो अरविंद केजरीवाल कहने लगे कि वो ऐसी राजनीति से दूर रहते हैं। लेकिन शीतकालीन सत्र शुरू होने के साथ ही विपक्षी खेमे से एक ऐसी खबर आयी जो किसी को भी हैरान करने वाली रही।

विंटर सेशन के पहले ही दिन कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की मीटिंग बुलाई थी। खड़गे राज्य सभा में विपक्ष के नेता भी हैं और ये मीटिंग मौजूदा सत्र में मोदी सरकार को घेरने के लिए रणनीति पर विचार विमर्श के लिए बुलायी गई थी। मल्लिकार्जुन खड़गे की मीटिंग में आम आदमी पार्टी की तरफ से संजय सिंह और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की तरफ से सुदीप बंदोपाध्याय पहुंचे थे। खड़गे की मीटिंग में कुल 13 राजनीतिक दलों की भागीदारी दर्ज की गयी है, जिनमें आप और टीएमसी के अलावा शामिल हैं -डीएमके, आरजेडी, एनसीपी, नेशनल कांफ्रेंस, मुस्लिम लीग, आरएलडी और एमडीएमके के अलावा उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना। ऐसे में एक बात तो साफ है कि चुनावों ने विपक्षी दलों के बीच की दीवार मिटाने का काम तो किया ही है। तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अगर कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार कर लेते हैं, तो 2024 के लिए ये भारतीय जनता पार्टी का सिरदर्द बढ़ाने वाली खबर है।

गुजरात चुनाव के नतीजों से ये तो साफ है कि 2024 में लड़ाई मोदी बनाम केजरीवाल तो होने से रही। लेकिन अगर विपक्ष चाह ले तो ये तस्वीर बदल भी सकती है। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद जब ममता बनर्जी विपक्ष को एकजुट करने के लिए प्रयास करने लगीं तो अरविंद केजरीवाल कहने लगे कि वो ऐसी राजनीति से दूर रहते हैं। लेकिन शीतकालीन सत्र शुरू होने के साथ ही विपक्षी खेमे से एक ऐसी खबर आयी जो किसी को भी हैरान करने वाली रही।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन को लेकर रक्षा तैयारी में न आए कमी

अनिल त्रिगुणायत

अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों की आक्रामकता से फिर यह स्पष्ट हुआ है कि चीन लंबे समय तक हमारे लिए गंभीर चुनौती बना रहेगा। हम भले ही वास्तविक नियंत्रण रेखा को एलओएसी बोलते रहें, पर मेरा मानना है कि चीन यह समझता है कि यह रेखा उसके हिसाब से निर्धारित होती है। इस तथ्य का हमें ध्यान रखना पड़ेगा। जो हरकत चीनी सेना ने ढाई साल पहले गलवान में की थी, अरुणाचल प्रदेश में उसे दोहराया गया है।

चीन इस प्रदेश को अक्सर अपना हिस्सा बताता रहा है और शहरों को अपने हिसाब से नामकरण करता है। तिब्बत को कब्जा करने के दौर से चीन की मानसिकता जगजाहिर है। यह उल्लेखनीय है कि हमारे सैनिकों ने पहले की तरह ही चीनियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया है। उसके बाद तुरंत दोनों ओर के सैन्य अधिकारियों की बैठक भी हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि इस घटना को कूटनीतिक स्तर पर भी उठाया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि चीन को यह संदेश दिया है कि ऐसी हरकतों से बाज आए। भारत हमेशा से कहता रहा है कि बल प्रयोग के द्वारा नियंत्रण रेखा को बदलने की किसी भी एकतरफा कोशिश को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जब यह घटना हुई, तब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सऊदी अरब के दौरे पर थे। उनकी अनुपस्थिति में उनकी सेना ने अगर यह हरकत की है, तो इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी कमांडरों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कमांडर स्तर पर होने वाली चर्चा में इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। दोनों सेनाओं के अधिकारियों की वार्ता प्रक्रिया की 17वें चरण की बातचीत होने वाली है। कुछ समय पहले उत्तराखंड में भारतीय और अमेरिकी सेनाओं का संयुक्त अभ्यास हुआ था। इस पर चीन ने बिना मतलब आपत्ति जतायी थी। उसे भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया था। मेरा मानना है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अगर पूरी तरह से कोई भरोसेमंद सहमति बनती है, तभी इस तरह की समस्याओं का समाधान होगा। तब तक चीन की ओर से ऐसी हरकतें होती रहेंगी। चीन अपनी विस्तारवादी नीति के अनुसार चल रहा है। इसका एक उदाहरण हमने कुछ साल पहले दोकलाम में देखा था। वहां भूटान के क्षेत्र में चीनी सेना ने हस्तक्षेप की कोशिश की थी। फिलीपींस से उसके क्षेत्रीय विवाद पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का निर्णय आ चुका है, पर चीन उसे मानने के लिए तैयार नहीं है। साउथ चाइना सी, ईस्ट चाइना सी, ताइवान आदि को लेकर उसके रवैये को दुनिया देख रही है। चीन की सीमाएं 14-15 देशों से

लगती हैं, पर क्षेत्रीय मसलों को लेकर उसके लगभग दो दर्जन देशों के साथ विवाद हैं। चीन की हरकतों से साफ पता चलता है कि वह एशिया में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है और इसके लिए वह अपनी ताकत की धौंस दिखाता रहता है। समुद्री क्षेत्र में उसके जहाज विचरते रहते हैं और डराने की कोशिश करते हैं। जापान के एक द्वीप पर चीन का ऐसा ही रवैया है। दक्षिण कोरिया के साथ भी उसकी तनातनी रहती है। आप कहीं पर भी चीन को देखेंगे, तो पायेंगे कि वह अपनी शक्ति के सहारे दबाव बनाने के प्रयास करता है। मैं यह समझता हूं कि इस समय चीन यह सोचता है कि वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, सैन्य दृष्टि से भी मजबूत हो रहा है तथा तकनीक के क्षेत्र में महाशक्ति बनने के लिए प्रयासरत है, तो वह सारी दुनिया को निर्देशित कर सकता है। अभी कुछ दिन पहले भारतीय नौसेना के प्रमुख ने भी कहा था कि हिंद महासागर में चीनी सेना की गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिन पर हमारी नजर है।

चीन की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। अभी चीनी राष्ट्रपति सऊदी अरब गये थे, जहां उन्होंने सारे अरब देशों के नेताओं से मुलाकात भी की। चीन की कोशिश है कि अरब से आने वाले जहाजों के लिए हिंद महासागर से रास्ता बनाए। साउथ चाइना सी और ईस्ट चाइना सी में तो एक तरह से उसका आधिपत्य है।

इसी क्रम में अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीति पर चल रहा है, जिसमें भारत की अहम भूमिका है। भारत का कहना है कि इस क्षेत्र में शांति और स्थायित्व रहे तथा किसी एक देश का वर्चस्व न हो। ऐसे में भारत को अपने पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध स्थापित करने चाहिए। संबंधों में दरार का चीन लाभ उठाता है। हमें अपने आत्मनिर्भर योजना में तेजी लाने की जरूरत है। हमें आधुनिक तकनीक और सैनिक साजो-सामान को किसी अन्य देश से तुरंत लेने से भी संकोच नहीं करना चाहिए। रक्षा तैयारियों में किसी भी तरह की कोताही नहीं हो।

पराली निराकरण के उपाय तलाशने की जरूरत

पंकज चतुर्वेदी

पिछले वर्ष विज्ञापनों में ऐसे घोल की चर्चा थी, जिसके डालते ही पराली गायब हो जाती है, उसे जलाना नहीं पड़ता है, पर जैसे ही मौसम का मिजाज ठंडा हुआ, दिल्ली-एनसीआर के पचास हजार के वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को स्मॉग ने ढक लिया। इस बार भी आश्विन विदा हुआ व कार्तिक लगा, तो हरियाणा-पंजाब से पराली जलाने के समाचार आने लगे। हालांकि इस बार हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश, हर सरकार आंकड़ों के जरिये यह जताने का प्रयास कर रही है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार पराली कम जली। पर सच्चाई यह है कि इस बार दिल्ली नवंबर में ही ग्रेप-4 की ग्रिप में थी। जब रेवाड़ी जिले के धारुहेड़ा से गाजियाबाद के मुरादनगर तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से अधिक था, तो मामला शीर्ष न्यायालय गया, फिर सारा ठीकरा पराली पर थोप दिया गया।

विदित हो कि केंद्र सरकार ने 2018 से 2020-21 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व दिल्ली को पराली की समस्या से निपटने के लिए कुल 1726.67 करोड़ रुपये जारी किये थे जिसका सर्वाधिक हिस्सा पंजाब को (793.18 करोड़) दिया गया। विडंबना है कि इसी राज्य में 2021 में पराली जलाने की 71,304 घटनाएं दर्ज हुईं। हालांकि, यह पिछले वर्ष की तुलना में कम थीं, पर हवा में जहर भरने के लिए पर्याप्त। पंजाब में 2020 में पराली जलाने की 76,590 घटनाएं सामने आयीं, जबकि 2019 में 52,991 थीं। हरियाणा का आंकड़ा भी कुछ ऐसा ही है। जाहिर है आर्थिक मदद, रासायनिक घोल, मशीनों से पराली के निपटान जैसे प्रयोग जितने सरल और लुभावने लग रहे हैं, किसानों के लिए लाभकारी नहीं हैं। इस बार बारिश के दो लंबे दौर- सितंबर के अंत और अक्टूबर में- आये, इससे पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में धान की कटाई में एक से दो सप्ताह की देरी हुई। यह इशारा कर रहा है कि अगली फसल के लिए खेत को तैयार करने के लिए किसान समय के विपरीत तेजी से भाग रहा है। वह मशीन से अवशेष निपटान में लगने वाले समय के लिए तैयार नहीं है। कंसोर्टियम फॉर रिसर्च ऑन एग्रो इकोसिस्टम मॉनिटरिंग एंड मॉडलिंग फ्रॉम स्पेस के आंकड़ों के अनुसार, अवशेष जलाने की नौ घटनाएं आठ अक्टूबर को, तीन नौ अक्टूबर को और चार 10 अक्टूबर को हुईं। पंजाब और हरियाणा में बादल छंटने के कारण 11 अक्टूबर को पराली जलाने की संख्या 45 और 12 अक्टूबर को 104 हो गयी। पराली जलाने की खबर उत्तर प्रदेश से भी आने लगी हैं। किसान का पक्ष है कि पराली को मशीन से निपटाने पर प्रति एकड़ कम से कम पांच हजार का खर्च आता है। फिर अगली फसल के लिए इतना समय होता नहीं कि गीली पराली को खेत में पड़े रहने दिया जाए। हरियाणा-पंजाब में कानून है कि धान की बुआई 10 जून से पहले नहीं की जा सकती है। इसके पीछे भूजल का अपव्यय रोकना व मानसून से पहले धान न बोने की धारणा है। चूंकि इसे तैयार होने में 140 दिन लगता है, फिर उसे काटने के बाद गेहूं की फसल लगाने के लिए किसान के पास इतना समय होता ही नहीं कि वह फसल अवशेष का निपटान सरकार के कानून अनुसार करे। जब तक हरियाणा-पंजाब में धान की फसल का रकबा कम नहीं होता या खेतों में बरसात के पानी सहेजने के कुंड नहीं बनते और उस जल से धान की बुवाई 15 मई से करने की अनुमति नहीं मिलती, पराली के संकट से छुटकारा नहीं मिलेगा। अध्ययन बताते हैं कि यदि खरीफ की बुवाई एक महीने पहले कर ली जाए, तो राजधानी को पराली के धुएं से बचाया जा सकता है। यदि पराली का जलना अक्टूबर-नवंबर की जगह सितंबर में हो, तो स्मॉग बनेगा ही नहीं। किसानों का एक बड़ा वर्ग पराली निपटान की मशीनों पर सरकार की सब्सिडी योजना को धोखा मानता है। उसका कहना है कि पराली को नष्ट करने की मशीन बाजार में 75 हजार से एक लाख में उपलब्ध है। यदि सरकार से सब्सिडी लें, तो वह मशीन डेढ़ से दो लाख की मिलती है। जाहिर है, सब्सिडी उनके लिए बेमानी है। उसके बाद भी मजदूरों की जरूरत होती है।

पंजाब और हरियाणा दोनों ही सरकारों ने पिछले कुछ वर्षों में पराली जलाने से रोकने के लिए कस्टम हायरिंग केंद्र भी खोले हैं, जो किसानों को उचित दाम पर मशीनें किराये पर देती है। किसान यहां से मशीन इसलिए नहीं लेता, क्योंकि उसका खर्च इन मशीनों के किराये के लिए प्रति एकड़ 5,800 से 6,000 रुपये तक बढ़ जाता है। जब सरकार पराली जलाने पर 2,500 रुपये का जुर्माना लगाती है, तो फिर किसान 6000 रुपये क्यों खर्च करेगा? यही नहीं, इन मशीनों को चलाने के लिए कम से कम 70-75 हॉर्स पावर के ट्रैक्टर की जरूरत होती है, जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये है। डीजल पर खर्च अलग से खर्च होता है।

ऐसे में आवश्यकता है कि माइक्रो लेवल पर किसानों के साथ मिल कर उनकी व्यावहारिक दिक्कतों को समझते हुए इसके निराकरण के स्थानीय उपाय तलाशे जाएं, जिसमें कम समय में तैयार होने वाली धान की नस्ल को प्रोत्साहित करना, धान के रकबे को कम करना, डार्क जोन से बाहर के क्षेत्रों में धान बुआई की अनुमति आदि शामिल हैं। मशीनें कभी भी पर्यावरण का विकल्प नहीं होतीं, स्व-नियंत्रण ही एकमात्र निदान होता है।

ठंड में सर्दी-खांसी को भगना है दूर तो अपनाएं ये औषधियां

सर्दी का मौसम आते ही ज़ुकाम, खांसी, गले में खराश, श्वसन से जुड़ी दिक्कत, बदन दर्द आदि हमें परेशान करने लगता है। सर्दी का सूखा और ठंडा मौसम हमारे शरीर के लिए संक्रमण से लड़ना मुश्किल कर देता है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी कमज़ोर पड़ने लगती है, जिसे लगातार बूस्ट करने की ज़रूरत होती है। इसके अलावा ठंड की वजह से हम एक्टिव भी नहीं रहते। कई लोगों के आसपास रहने से वायरस भी आसानी से शिकार ढूंढ़ लेते हैं। इसलिए इम्यूनिटी का मज़बूत होना ज़रूरी होता है ऐसे में आपको अपनी डाइट में सही चीज़ों को शामिल करने की ज़रूरत होती है। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे मसालों या औषधियों के बारे में जो किसी सुपरफूड से कम नहीं। यह न सिर्फ आपकी इम्यूनिटी को ताकत देंगे, बल्कि खाने का स्वाद भी बढ़ाएंगे।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है इनका सेवन

अदरक

अदरक एक बेहतरीन जड़ी-बूटी है जिसका इस्तेमाल सदियों से वैकल्पिक चिकित्सा के तौर पर किया जाता रहा है। अदरक में एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती है, जिसके चलते यह बीमारियों को ठीक करने में बहुत ही उपयोगी है। सर्दियों में अदरक का इस्तेमाल आमतौर पर सर्दी, जुकाम, खांसी और वायरल इन्फेक्शन से निपटने में किया जाता है। अगर पेट संबंधी समस्याओं में भी बहुत ज्यादा कारगर है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर दीक्षा भावसार ने इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से अलग-अलग समस्याओं में अदरक के इस्तेमाल के तरीके बताए हैं। आइए जानते हैं।

तुलसी

तुलसी के गुणों के बारे में कौन नहीं जानता। यह बीमारियों को ठीक करने के साथ शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण सूखी खांसी में भी आराम पहुंचाती है। आप तुलसी को चाय में डाल सकते हैं या फिर एक कप पानी में 5 लौंग और तुलसी के 8 पत्तों को डालकर उबाल लें। अब इसमें चुटकीभर नमक डालें और ठंडा होने दें। इसे रोज़ाना पीने से आपको जल्द ही खांसी से राहत मिलेगी।

दालचीनी

इस मसाले की खुशबू ही आप में जान डालने का काम करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दालचीनी की सिर्फ खुशबू ही अच्छी नहीं होती, बल्कि यह सेहत को भी कई तरह से फायदा करती है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो संक्रमण और इंफ्लेमेशन से लड़ते हैं। खासतौर पर फ्लू और ठंड के मौसम में यह आपको होल्दी रखने का काम करती है। आप पानी में दालचीनी की आधी स्टिक और थोड़ा-सा अदरक डालकर उबालें और फिर इसमें शहद डालकर इसे पी लें।

हल्दी

हल्दी एक ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी औषधि है, जो सर्दी-खांसी और फ्लू से लड़ने में मदद करता है। यह आपके इम्यून सिस्टम के लिए भी अच्छा माना जाता है और साथ ही जोड़ों को ताकत देता है। हल्दी और अदरक का काढ़ा सर्दी में राहत दिलाता है। इसके लिए एक कप पानी लें, उसमें एक इंच अदरक, एक चम्मच हल्दी और आधा नींबू डाल लें। इस काढ़ों को हर दूसरे दिन एक बार पिएं।

काली मिर्च

काली मिर्च की एंटीबैक्टीरियल गुण इसे सर्दी-खांसी में लाभदायक औषधि बनाते हैं। इसे डाइट में शामिल करने से आपकी इम्यूनिटी मज़बूत होती है और आप श्वसन संक्रमण और कंजेशन से बचते हैं। आप काली मिर्च को चाय में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा हल्दी दूध में भी इसे डाला जा सकता है।

हंसना मना है

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी: टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी: क्या सबूत है? चिंटू: अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरो के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं... बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है....बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे...रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला...उसने कहा मुझे भी बिठा लो कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है

गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओं 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलों कितना होगा? पप्पू: जी सर....टन, टन, टन, टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं

कहानी | मेंढक और चूहा

किसी घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे में ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा कि दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने कहा कि हां जरूर, दुष्ट मेंढक फटाक से बोला कि एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक बार पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज ने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

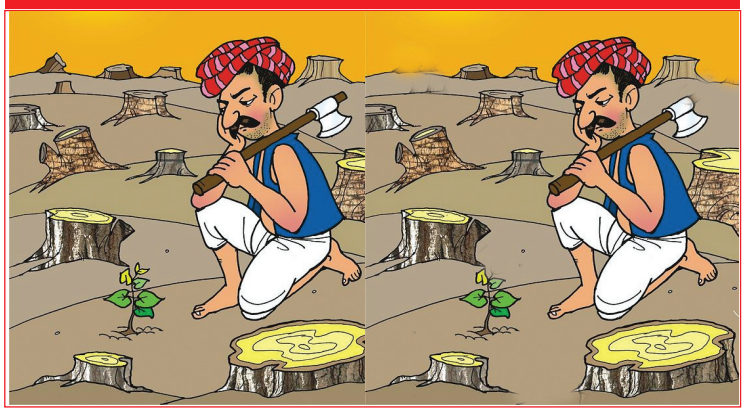

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अचानक आए अप्रत्याशित खर्चे आपके ऊपर आर्थिक तौर पर बोझ डाल सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृषभ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे। क्रोध में आकर लिए गए निर्णय आप के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

मिथुन

आज आपको थोड़ा मानसिक तनाव हो सकता है। आप अपने भविष्य को लेकिर चिंतित रहेंगे। आपका अपने रोज के कामों में भी मन नहीं लगेगा।

कर्क

शारीरिक और मानसिक बीमारी की जड़ दुःख हो सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी खरीदारी करना आसान रहेगा। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी।

सिंह

करियर के मामले में आपके लिए समय महत्वपूर्ण साबित होगा। बिजनेस अच्छा रहेगा। काम के सिलसिले में ज्यादा भाग-दौड़ हो सकती है।

कन्या

आज आपका दिन फेबरेबल रहेगा। रूके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिलेगी। आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है।

तुला

आपका ऊर्जा-स्तर ऊंचा रहेगा। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आपके माता-पिता की सेहत पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है।

वृश्चिक

नया व्यवसाय शुरू करने में मित्रों की सहायता लेना लाभदायक होगा। संतान के योग नजर आ रहे हैं। आज के दिन न उधार ले और दें।

धनु

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। बाहर जाते समय रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

मकर

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। घरेलू मसले आपके दिमाग़ पर छाए रहेंगे।

कुम्भ

आज आपके बिगड़े हुए कार्य तेजी से बनेंगे। घर में किसी नई वस्तु के आने के संकेत हो रहे हैं। कार्यों के प्रति जोश एवं उत्साह रहेगा। परिजनों से सुखद समाचार मिलेगा।

मीन

आज आप अपनी ऊर्जा अच्छे कामों में लगा सकते हैं। सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिल सकता है। शैक्षणिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ सकती है।

'तू झूठी मैं मक्कार' में नजर आएंगे रणबीर-श्रद्धा

बॉलीवुड | मसाला

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार एक्टर रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म के नाम का खुलासा हो ही गया। मंगलवार को फिल्म मेकर्स ने मूवी के नाम का पोस्टर शेयर किया था, जिसमे शॉर्टकट नजर आ रहा था और दर्शकों इस नाम को गेस करने को कहा था। ऐसे में पोस्टर को देखकर लोगों का उत्साह काफी बढ़ गई थी। वहीं अब 24 घंटे बाद फिल्म डायरेक्टर लव रंजन ने इससे पर्दा उठा दिया है।फिल्म मेकर्स और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के टाइटल का एक वीडियो शेयर की है, जिसमें श्रद्धा और रणबीर को मस्ती करते देखा जा रहा है। इस वीडियो में दोनों की क्यूट केमिस्ट्री को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही, श्रद्धा कपूर ने बताया है कि फिल्म का नाम- 'तू झूठी मैं मक्कार' होगा। वीडियो में दोनों का क्यूट रोमांस भी नजर आ रहा है। बता दें कि ये जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आएगी।

होली के मौके पर होगी रिलीज

फिल्म के पूरे टाइटल के साथ-साथ 'तू झूठी मैं मक्कार' की रिलीज डेट का भी एलान हुआ है। वीडियो के आखिर में होली 2023 लिखा हुआ नजर आ रहा है। इससे साफ जाहिर है कि फिल्म 8 मार्च को होली के मौके पर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। इस फिल्म की शूटिंग काफी हद तक पूरी की जा चुकी हैं।

कार्तिक आर्यन की आशिकी-3 से दीपिका पादुकोण की छुट्टी

पिछले दिनों सुपरहिट रही आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म का एलान हो गया था। इसके साथ ही यह भी खुलासा हुआ था कि इस फिल्म में मुख्य भूमिका में अभिनेता कार्तिक आर्यन नजर आने वाले हैं। जहां बॉलीवुड के मशहूर निर्माता महेश भट्ट ने अपनी आशिकी सीरीज की तीसरी कड़ी के अभिनेता के नाम का खुलासा किया था, वहीं अभी भी इसकी अभिनेत्री के नाम पर मुहर नहीं लग पाई है। जब से फिल्म का एलान हुआ है, तभी से कार्तिक आर्यन की हीरोइन के लिए अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। पहले जेनिफर विंगेट के नाम की चर्चा थी तो उसके बाद फिल्म के लिए दीपिका पादुकोण का नाम सामने आया था। लेकिन हाल ही में एक साक्षात्कार में महेश भट्ट ने साफ कर दिया है कि कार्तिक आर्यन आशिकी 3 में दीपिका पादुकोण के साथ रोमांस करते नहीं दिखेंगे। आशिकी 3 के एलान के बाद से ही फिल्म की हीरोइन के नाम की चर्चा जोरों पर हो रही है। अभी तक इस फिल्म को लेकर कई अभिनेत्रियों का नाम सामने आ चुका है, लेकिन फैंस का मानना था कि दीपिका पादुकोण ही वह हैं जो आशिकी 3 में कार्तिक के साथ रोमांस करती दिखाई देंगी। हालांकि, महेश भट्ट ने लोगों के अरमानों पर पानी फेर दिया है। दरअसल, हाल ही में एक मीडिया संस्थान को दिए इंटरव्यू में महेश भट्ट ने फिल्म के लिए किसी भी अभिनेत्री को कास्ट किए जाने की बात को सिरे से नकार दिया है। इसके साथ ही निर्माता ने यह भी खुलासा किया है कि वह आशिकी 3 के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे हैं।

हम आशिकी-3 के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे हैं: महेश भट्ट

बॉलीवुड | मन की बात

'स्त्री' में मौका दिलाने में काम आई वेब सीरीज : अभिषेक

टीवीएफ पिचर्स चार यंग लोगों की कहानी कहती है जो अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ देते हैं। अब इस सीरीज का दूसरा सीजन शुरू होने वाला है। सीरीज का दूसरा सीजन इसी कंपनी को आगे बढ़ाने और स्टार्ट-अप की गलाकाट दुनिया में अपना अस्तित्व बचाए रहने के बारे में है। सात साल के बाद सीरीज का दूसरा सीजन आ रहा है और इसमें नवीन कस्तूरिया, अरुणाभ कुमार, अभय महाजन, अभिषेक बनर्जी और रिद्धि डोगरा के साथ इस बार सिकंदर खेर, गोपाल दत्त और आशीष विद्यार्थी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोमवार की शाम मुंबई में टीवीएफ पिचर्स के दूसरे सीजन का ट्रेलर लांच हुआ। इस अवसर पर कास्टिंग डायरेक्टर से एक्टर बने अभिषेक बनर्जी ने बताया कि टीवीएफ पिचर्स सीजन वन की वजह से ही उन्हें फिल्म 'स्त्री' में काम करने का मौका मिला था। अभिषेक बनर्जी ने टीवीएफ पिचर्स के सीजन वन में भाटी का किरदार निभाया था। अभिषेक बनर्जी कहते हैं, टीवीएफ पिचर्स में भाटी के किरदार इतना लोकप्रिय होगा मुझे पता नहीं था। जब भी कहीं जाता था तो लोग मुझे भाटी के नाम से बुलाते थे। इस सीरीज के बाद ही मुझे स्त्री में काम करने का मौका मिला था। इस लिए यह सीरीज मेरे लिए काफी खास है। मैंने अब तक कई फिल्में की लेकिन, मेरे प्रशंसक मुझसे पिचर्स की वापसी के बारे में ही पूछते रहे हैं। नवीन कस्तूरिया कहते हैं, पिचर्स मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उस शो की वजह से मुझे जो प्यार और सम्मान मिला है, वह मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

अजब-गजब | इस देश में लागू हैं अनोखे नियम

मोबाइल, टीवी जैसी चीजें खरीदने के लिए भी सरकारी मंजूरी जरूरी

दुनिया के हर देश का अपना-अपना कानून है। जहां जनता को उन कानूनों के हिसाब से चलना पड़ा है। लेकिन कई देशों में ऐसे कानून भी हैं जिनके बारे में आप जानते तक नहीं होंगे। हमारे देश में भले ही टीवी देखने और मोबाइल खरीदने के लिए किसी से इजाजत लेनी की जरूरत नहीं होती। लेकिन अफ्रीका के एक देश में इन सब चीजों के लिए भी सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। हम बात कर रहे हैं अफ्रीकी देश इरीट्रिया के बारे मे। इस देश को इरित्रिया राज्य के नाम से भी जाना जाता है।

इस देश में एक ही राजनीतिक पार्टी सत्ता में रहती है और दूसरी पार्टी बनाना गैरकानूनी है। यही नहीं जिसकी वजह से सरकार अपनी मनमानी करती है और नागरिकों को रोजमर्रा की जरूरतों जैसे बैंक से पैसे निकालने, फोन या सिम खरीदनें के लिए भी सरकारी मंजूरी देती है। बता दें कि इस देश में आपको एक भी एटीएम देखने को नहीं मिलेगा। जिसके चलते लोगों को बैंक से ही पैसा निकालना पड़ता है।

यही नहीं सरकारी नियम के मुताबिक एक बैंक अकाउंट से एक महीनें में सिर्फ 23,500 रूपए ही निकाले जा सकते है। जिसकी वजह से लोगों को बहुत परेशानी होती है। हालांकि शादी जैसे अवसरों पर कुछ रियायत दी जाती है, लेकिन अगर आपको कार खरीदनी है तो आपको महीनों इंतजार करना पड़ेगा। हम भले ही अपने देश में आसानी से मोबाइल और सिम खरीद सकते हों लेकिन इरीट्रिया में ऐसा करना आसान नहीं है। क्योंकि इसके लिए भी यहां के स्थानीय प्रशासन से मंजूरी लेनी पड़ती है और अगर सिम ले भी लिया तो आप उसमें इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर सकते, क्योंकि सिम में मोबाइल डाटा नहीं होता है।

ऐसा लुटेरा जिसने उड़ते प्लेन में डाला डाका और हवा में ही हो गया फरार

आपने चोरी और डकैती के कई किस्से सुने होंगे। कई बार क्रीमिनल्स हवाई जहाज को भी हाइजैक कर लेते हैं और अपनी मांगों के लिए सरकार पर दबाव बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ऐसी डकैती के बारे में सुना है कि किसी शख्स ने हवा में उड़ते प्लेन में डकैती डाली हो और हवा में ही गायब हो गया हो। जी हां, ऐसा हो चुका है और यह घटना आज तक अमरीकी जांच एजेंसी एफबीआई के लिए रहस्य बनी हुई है। घटना 24 नवंबर 1971 को अमरीका के ओरेगन राज्य में हुई थी। फ्लाइट में बैठा एक शांत दिखने वाला शख्स पोर्टलैंड में एक आम दिखने वाला शख्स नॉर्थवेस्ट ओरिएंट एयरलाइंस के काउंटर पर पहुंचा। उसने अपना नाम डैन कूपर बताया। उसने कैश देकर सिएटल, वाशिंगटन के लिए फ्लाइट 305 का एक तरफ का टिकट खरीदा। कूपर एक शांत दिखने वाला व्यक्ति था, जिसकी उम्र 40-45 के आसपास थी। उसने ब्लैक टाई और वाइट शर्ट के साथ एक बिजनेस सूट पहन रखा था। फ्लाइट टेक ऑफ का इंतजार कर रही थी। इस दौरान उसने अपने लिए बर्बन व्हिस्की और सोडा ऑर्डर। एयर होस्टेस को पकड़ाई एक पर्ची फ्लाइट उड़ने के बाद दोपहर को 3 बजे कूपर ने एक एयर होस्टेस को अपने पास बुलाया और एक पर्ची पकड़ाई। इस पर्ची में लिखा था कि उसके ब्रीफकेस में बम है और वह चाहता है कि एयर होस्टेस उसके साथ बैठे। घबराई हुई एयर होस्टेस उसके पास बैठ गई। इसके बाद कूपर ने एयर होस्टेस को अपना ब्रीफकेस दिखाया, जिसमें ढेर सारी तारें और लाल रंग की स्टिक्स थीं। यह नजारा देखकर एयर होस्टेस के होश उड़ गए। चार पैराशूट और 2,00,000 डॉलर इसके बाद कूपर ने एयरहोस्टेस से कहा कि वह जो बोल रहा है उसे एक कागज पर लिखे। एयरहोस्टेस ने वैसा ही किया।

हवाई अड्डों पर बढ़ती यात्रियों की भीड़ बनी मोदी सरकार का सिरदर्द

» व्यवस्था न बिगड़े इसके के उपाय खोजने को गृह सचिव लेंगे बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के हवाई अड्डों पर बढ़ती भीड़ से हो रही समस्याओं को हल करने के लिए केंद्र सरकार ने आज अहम बैठक बुलाई है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में भीड़ प्रबंधन के उपाय खोजने पर मंथन किया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को गृह मंत्रालय में यह बैठक होगी। इससे पहले केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि समस्या पर विचार करने के लिए एयरलाइंस, एयरपोर्ट प्राधिकरण और सीआईएसएफ के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई। इसमें दिल्ली एयरपोर्ट पर भीड़ व उड़ानों में देरी को लेकर तीन घंटे तक मंथन किया गया। नागरिक विमानन मंत्रालय ने बुधवार को ट्वीट कर बताया था कि बैठक में दिल्ली एयरपोर्ट पर भीड़ को नियंत्रित करने व प्रतीक्षा का समय कम करने के उपायों पर विचार विमर्श किया गया। इसमें बोर्डिंग चेक पाइंट और एंट्री गेट्स पर समय कम लगे ऐसे प्रबंध करने तथा यात्रियों की सुगम आवाजाही के उपाय किए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इन दिनों भीड़ उमड़ रही है। इससे लोगों को उड़ान से घंटों पहले आना पड़ रहा है। घंटों लाइनों में लगने के कारण लोग अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर उतार रहे हैं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सिंधिया ने इंदिरा गांधी हवाई अड्डे का औचक निरीक्षण किया था।

रेलवे स्टेशन जैसे बने हैं एयरपोर्ट के हालात

दिल्ली में एयरपोर्ट के हालात तस्वीरों में रेलवे स्टेशन जैसे नजर आ रहे हैं। सिक्योरिटी चेक क्लीयर करने में एक घंटे से ज्यादा समय लगा रहा है। टर्मिनल-3 के डिपार्चर एरिया में चार लाइनों में कम से कम 200-250 लोग लग रहे हैं। हर तरफ हंगामे का माहौल। कुछ यात्रियों ने ट्वीट कर केंद्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग किया। उन्होंने लिखा है कि एयरपोर्ट पर सभी कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और वीवीआईपी लोगों को निकालने के लिए बिजनेस क्लास मार्ग है तो उन्हें इसका कोई अंदाजा नहीं है कि दिल्ली से मुंबई जाना कितना मुश्किल काम है और इसमें एक्सप्रेस ट्रेनों के बराबर समय लगता है।

जदयू का राजद के साथ विलय के मुद्दे पर उपेंद्र कुशवाहा का छलका दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के एक वरिष्ठ नेता व संसदीय बोर्ड के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जदयू बिहार के वंचित तबके की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और मौजूदा सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ विलय उसके लिए 'आत्मघाती' सिद्ध होगा।

उपेन्द्र कुशवाहा ने विलय की अटकलों को खारिज करते हुए ये बयान दिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपना उत्तराधिकार राजद के संभावित उत्तराधिकारी व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को सौंपे जाने का संकेत दिए जाने के बाद ऐसी अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं। कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने संभवतः दार्शनिक अंदाज में कुछ कह दिया होगा। तेजस्वी यादव ने इसपर कुछ भी कहने से उचित ही मना किया है। 2024 लोकसभा चुनाव हमारा मुख्य एजेंडा है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार की पार्टी से अलग होकर 2013 में रालोसपा बनाने और फिर करीब दो साल पहले पार्टी का जदयू में विलय करके पुराने पाले में लौटने वाले कुशवाहा का कहना है कि विलय की बातें अटकलों में हो रही हैं। पार्टी में इसपर कोई चर्चा नहीं हो रही है। मुझे नहीं लगता है कि पार्टी कभी भी ऐसा आत्मघाती कदम उठाएगी।

भारत हस्तशिल्प मोहत्सव की 18 तक बढ़ी तारीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर के आशियाना में कांशीराम स्मृति उपवन में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे भारत हस्तशिल्प मोहत्सव 2022 को और चार दिन के लिए बढ़ाकर अब 18 दिसंबर तक कर दिया गया है।

भारत हस्तशिल्प महोत्सव की पंद्रहवीं सांस्कृतिक संध्या के शुभारम्भ पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव को लोगों द्वारा मिली प्रतिक्रिया, आम जनता जनार्दन और महोत्सव के दुकानदारों की बेहद मांग पर भारत हस्तशिल्प महोत्सव को अब चार दिन और बढ़ा कर रविवार 18 दिसम्बर तक कर दिया गया है। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रभुनाथ राय व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रभुनाथ राय, विशिष्ट अतिथि संजय चौधरी प्रवक्ता भाजपा उत्तर प्रदेश, कुवंर इकबाल हैदर, राज्य वन्य जीव परिषद के सदस्य सुनील सिंह और सूरज तिवारी को प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर भारत हस्तशिल्प गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

फोटो :4 पीएम

पुण्यतिथि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 72वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हजरतगंज स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

2024 में नीतीश बनेंगे भाजपा के लिए चुनौती?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार इस बात के संकेत दे रहे हैं कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। लेकिन इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के वक्त नीतीश कुमार हो बिहार के मुख्यमंत्री पद पर रहेंगे। लोकसभा चुनाव में उनके सीएम बने रहने से चुनावों पर क्या असर पड़ेगा - इस पर 6 बजे परिचर्चा हुई।

जिसमें पटना से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह, सतीश कुमार सिंह, ऋषि मिश्रा,धनंजय कुमार, 4पीएम बिहार, संवाददाता अभिषेक मिश्रा के साथ अभिषेक कुमार की लम्बी चर्चा हुई। संतोष सिंह ने कहा सवाल है कि हम मीडिया वाले हैं यहां पर तमाम बिहार के जानकार मौजूद है। जनता दल के इस बयान के बाद काफी विवाद हुआ नीतीश कुमार किसी भी समय की गद्दी को छोड़ सकते हैं। लेकिन एक बात समझने की जरूरत है कि नीतीश का जो वोटर है वह कुमार के साथ तभी तक है, जब तक उन्हें भरोसा रहेगा कि नीतीश उनके बड़े भाई हैं। सतीश कुमार सिंह ने कहा कि यह कहना अभी मुश्किल है नीतीश कुमार का अगला कदम क्या होगा। नीतीश बिहार की भाषा में कहें तो छटपटा रहे हैं। बंधन का दिल तो यही बता कि हम राष्ट्रीय राजनीति में जायेंगे। राष्ट्रीय राजनीति में आमंत्रित करने वाले लोग उनका रुख क्या है। ये नहीं पता कुमार को इसलिए वो छटपटा रहें हैं। ऋषि मिश्रा ने कहा कि एक बात तो कह सकते जिस प्रकार से अखिलेश सिंह की ताजपोशी हुई है उसमें ऐसा कहा जाता है लालू यादव की भूमिका रही है इसमें इससे कहीं ना कहीं हुआ कांग्रेस में जिस प्रकार से प्रदेश के लीडरशिप कि जिनको जिम्मेदारी दिया गया है लालू के करीबी है।

जो अपने कन्हैया के लिए कहा यह बात भी सही है वो नीतीश के करीबी है। कुमार उपचुनाव में मिली हार के बाद निराश तो है। जैसे सतीश सर ने कहा मुझे पार्टी का महागठबंधन है कांग्रेस जेडीयू आरजेडी एक साथ चुनाव लड़ रही है जितने भी आपके गठबंधन के साथी हैं सबको आपने कहीं ना कहीं सेट कर दिया उसके बावजूद भी आप तीन चार हजार वोटों से हार जाते हैं।

धनंजय कुमार ने कहा, उनकी काबिलियत है ऐसे देखिए जो नीतीश कुमार ऐसे व्यक्ति हैं जो विपक्ष बदलते हैं अपनी पसंद से विपक्ष लाते हैं जनता जो चुनती है उसे हटा देते हैं। यह कारनामे नीतीश ने 2 बार करके दिखा दिया।

अभिषेक मिश्रा ने कहा, बिल्कुल प्लान बी का इस्तमाल नीतीश कुमार करेंगे प्लान सी प्लान डी जो भी प्लान समझ आयेगा वो करेगें। नीतीश कुमार ने कहा है 2025 का चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ेंगे। मुझे लगता है 2025 के पहले नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को गद्दी नहीं सौंपेंगे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

गैस लीकेज होने से शादी समारोह में लगी भीषण आग, 22 लोग झुलसे

» राठ क्षेत्र में बारात के लिए तैयार कराया जा रहा था भोजन, अचानक भड़की आग से कार्यक्रम में मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में बारात जाने से एक दिन पूर्व चल रहे भोजन के कार्यक्रम में लीकेज सिलेंडर से लगी आग से 22 से अधिक लोग बुरी तरह से झुलस गए, जिन्हें सीएचसी राठ लाया गया। जहां से करीब आठ लोगों को मेडिकल कॉलेज उरई व सैफई के लिए रेफर किया गया है। हादसे के बाद वैवाहिक कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई।

मामला हमीरपुर जिले के राठ कोतवाली क्षेत्र के लिंगा गांव का है, जहां अर्जुन अहिरवार के पुत्र हेमराज की गुरुवार को मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के गड़ी मलहरा बारात जानी है। बारात जाने से एक दिन पूर्व बुधवार की रात को अर्जुन अहिरवार के घर प्रीतिभोज कार्यक्रम रखा था। जिसमें खाना बनाने के दौरान हलवाई ने गैस भट्ठी जैसे जलाई वैसे ही सिलेंडर से गैस रिसाव की वजह से चारों तरफ फैली गैस में आग लग गई। आग पकड़ने पर सिलेंडर आग का गोला बन गया। इस दौरान वहां मौजूद 22 लोग झुलस गए जिन्हें राठ अस्पताल ले जाया गया। आठ लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कालेज उरई और सैफई रेफर कर दिया गया।

आठ की हालत गंभीर

एसडीएम राठ विनय प्रकाश पाठक ने बताया कि लिंगा गांव में शादी समारोह के दौरान प्रीतिभोज का आयोजन किया गया था। जिस जगह पर खाने की व्यवस्था थी, वहां सिलेंडर में लीकेज की वजह से आग लगी। जिसके चपेट में आने से 22 लोग झुलस गए। सभी को राठ सीएचसी में एडमिट कराया गया, जहां से आठ लोगों को बेहतर इलाज के लिए उरई और सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

शरद पवार को धमकी देने वाला बिहार से गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के घर फोन करने और घरेलू झगड़ों को सुलझाने में मदद नहीं करने पर जान से मारने की धमकी का चौंकाने वाला मामला सामने आया था। पवार को धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार किया है।

मुंबई में पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मामले की जांच कर रहे गामदेवी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि नारायण कुमार सोनी पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे गिरगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 16 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस आरोपी से मामले में पूछताछ करेगी।

फोटो :4 पीएम

यात्रा राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों से मिलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

नगर निकाय चुनाव को सपा ने तैयार किया जीत का मास्टर प्लान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद अब समाजवादी पार्टी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। अब तक निकाय चुनाव में कुछ खास प्रदर्शन न कर पाने वाली सपा इस बार बेहतर तैयारियों के साथ शानदार प्रदर्शन करना चाह रही है। इस चुनाव में सपा पार्टी के सक्रिय सदस्यों पर ही किस्मत आजमाएगी।

नगर निगमों में मेयर व पार्षद के अलावा नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के टिकट के लिए सपा ने यह अनिवार्यता रखी है। यानी इन पदों के टिकट की चाह रखने वालों को आवेदन के समय पार्टी की सक्रिय सदस्यता के साथ ही समाजवादी बुलेटिन की आजीवन सदस्यता की रसीद लगाना होगा। नगरीय निकाय चुनाव में गुटबाजी हावी न हो इसलिए पार्टी ने भंग चल रही जिला व शहर कार्यकारिणी घोषित करने के बजाय प्रत्येक जिले में सभी प्रमुख नेताओं को लेकर चुनाव संचालन समिति बना दी है।

संचालन समिति ही अपने यहां चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के आवेदन लेने के बाद उनकी छंटनी करेगी। सर्वसम्मति से यदि एक नाम तय हो जाएगा, तो उसका प्रस्ताव पार्टी मुख्यालय भेजा जाएगा। यदि एक नाम पर सहमति नहीं बनती है, तो प्रत्याशियों के नामों का पैनल मुख्यालय भेजा जाएगा। पार्टी नेतृत्व यहां से टिकट फाइनल करेगा।

विधानसभा के बाद अब निकाय चुनाव में भी कांग्रेस 'आधी आबादी' को टिकट में देगी वरीयता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सभी राजनीतिक पार्टियां जोर-शोर से निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस भी अब इन चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनाने में लग गई। इस बार के यूपी विधानसभा चुनाव में महिलाओं को टिकट वितरण में वरीयता देने वाली कांग्रेस नगर निकाय चुनाव में भी अपनी इसी रणनीति पर आगे बढ़ेगी।

पार्टी इन चुनावों के माध्यम से महिलाओं के उत्थान के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की सोच को घर-घर तक पहुंचाने का फैसला भी किया गया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष व मध्य जोन निकाय चुनाव प्रभारी प्रज्ञा सिंह ने दी। प्रज्ञा ने कहा कि एक तरफ प्रदेश में नगर निगम चुनाव की तैयारी चल रही है, तो दूसरी ओर भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में 11 दिनों की प्रादेशिक यात्रा का आयोजन किया गया है। प्रादेशिक यात्रा के माध्यम से प्रियंका गांधी की बात प्रदेश के हर जिले के नागरिकों तक पहुंच सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं पर अपराध व अत्याचार सर्वाधिक बढ़े हैं। इसलिए आज महिलाएं कांग्रेस की तरफ देख रही हैं। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या व महिलाओं पर अपराध ये ज्वलंत मुद्दे हैं, लेकिन प्रदेश व केंद्र सरकार इन मुद्दों की तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है।

विस चुनाव में बनाया था 144 महिलाओं को उम्मीदवार

गौरतलब है कि इससे पहले इस बार के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था और यहां भी पार्टी ने देश की आधी आबादी को टिकट वितरण में वरीयता दी थी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रियंका की अगुआई में सभी 403 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, जिसमें 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिए। पार्टी ने पूरे चुनाव के दौरान टिकट वितरण में कुल 144 महिला कैंडिडेट को मैदान में उतारा। पार्टी अपने वादे पर खरी उतरी। ऐसे में एक बार फिर पार्टी ने निकाय चुनाव में भी टिकट वितरण में महिलाओं को वरीयता देने की बता कही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।